देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित
www.page3news.in
नगर संस्करण वर्ष 14 अंक: 296 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

रविवासरीय...आलिया ड्रेस की वजह से हुई ट्रोल

पेज थ्री

देहरादून, रविवार, 5 जनवरी 2020

मौसम अधिकतम 16.0° न्यूनतम 6.0°

41464.61

2 फेक न्यूज बताकर घिरे मंत्री फवाद

7 इरफान पठान ने लिया क्रिकेट से संन्यास

पायलट ने अपनी सरकार को घेरा

कोटा में बच्चों की मौत पर कहा- तय होनी चाहिए जिम्मेदारी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

कोटा। कोटा के जेके लोन हॉस्पिटल में एक महीने में 100 से अधिक बच्चों की मौत के मामले में उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने अपनी ही सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने स्वीकार किया है कि कोई ना कोई खामी रही होगी। साथ ही यह भी कहा कि जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा पुरानी सरकार की तुलना में कम बच्चों की मौत के तर्क को अस्वीकार करते हुए उन्होंने कहा कि हमें सरकार में आए 13 महीने हो चुके हैं। पुरानी सरकारों को दोष देने से काम नहीं चलेगा। सरकार का रुख संतोषजनक नहीं है। 100 बच्चों की मौत और केंद्रीय नेतृत्व की नाराजगी के बाद उपमुख्यमंत्री शनिवार को अस्पताल पहुंचे थे। सचिन पायलट ने दौरे के बाद मीडिया से बात करते हुए कहा, हमें आंकड़ों के जाल में नहीं फंसना है। हम लोगों का रेस्पांस रहा है इस पूरे मामले को लेकर वह किसी हद तक संतोषजनक नहीं है। आंकड़ों के जाल में हम चर्चा को ले जाएं यह उन लोगों को स्वीकार्य नहीं है जिन्होंने अपने बच्चे खोए हैं। हमें लोगों को विश्वास दिलाना होगा कि हम इस तरह की घटना स्वीकार नहीं करेंगे। हमें जिम्मेदारी तय करनी होगी। यदि इतने बच्चों की मौत हुई है तो कोई ना कोई कमी तो जरूर रही होगी।

क्या कहा था अशोक गहलोत ने?

प्रदेश के सीएम अशोक गहलोत ने कहा था कि प्रदेश के हर अस्पताल में हर रोज 3–4 बच्चों की मौतें होती हैं। यह कोई नई बात नहीं है।

कोटा नहीं जाने पर बोलीं प्रियंका गांधी: प्रियंका ने यह भी कहा कि मैंने मामले की जानकारी ली है और अधिक जानकारी जुटाने के लिए वहां कांग्रेस की एक टीम गई है।

शिवसेना मंत्री का इस्तीफा दांव

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मुंबई। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे सरकार के कैबिनेट विस्तार के पांचवें दिन ही मंत्री अब्दुल सत्तार के इस्तीफे के बाद राजनीति तेज हो गई है। एक तरफ इस पर शिवसेना किसी तरह से स्थिति को संभालने में जुटी है तो बीजेपी ने इसे उद्धव ठाकरे सरकार के पतन की शुरुआत बताया है। इस बीच शिवसेना के सीनियर लीडर संजय राउत ने कहा, पार्टी में अब्दुल सत्तार का पूरा सम्मान किया गया है।

असम में बीजेपी ने बड़ी रैली कर दिखाई ताकत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

गुवाहाटी। नागरिकता संशोधन कानून पास होने और असम में एनआरसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद बीजेपी ने शनिवार को गुवाहाटी में एक बड़ी रैली का आयोजन किया। बूथ स्तरीय कार्यकर्ताओं की इस रैली में बीजेपी के 50 हजार से अधिक लोग शामिल हुए। असम में हुए प्रदर्शनों के बाद बीजेपी के इस सम्मेलन को एक शक्ति प्रदर्शन के रूप में देखा जा रहा है।

जनगणनाः ड्यूटी नहीं लेने पर होगी 3 साल जेल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

■2021 की जनगणना के लिए इस वर्ष अप्रैल से सितंबर तक हाउसलिस्टिंग प्रोसेस होगी

नई दिल्ली। राज्य सरकार और स्थानीय निकायों के कर्मचारी जिन्हें जनगणना आयुक्त और रजिस्ट्रार जनरल ऑफ सिटिजन रजिस्ट्रेशन को क्रमशः जनगणना और राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर) की प्रक्रिया में मदद करने की जिम्मेदारी दी जाएगी, वो सेंसस ऑफ इंडिया ऐक्ट, 1948 और सिटिजनशिपर रूल्स, 2003 से बंधे होंगे। सरकारी सूत्रों ने बताया कि ऐसे कर्मचारी दी गई जिम्मेदारी से मुंह नहीं मोड़ सकते हैं।

भारतीय जनगणना अधिनियम के मुताबिक, राज्य सरकारों और केंद्रशासित प्रदेशों के प्रशासकों को अपने इलाके में जनगणना के लिए अधिकारियों की नियुक्ति करना अनिवार्य है जिनमें प्रमुख जनगणना अधिकारी (डीएम), जिला एवं उप–जिला जनगणना अधिकारी, पर्यवेक्षक और प्रगणक शामिल हैं। इस अधिनियम की धारा 11 के तहत जनगणना प्रक्रिया में हिस्सा लेने से इनकार करने वाले सरकारी या अन्य कर्मचारियों के लिए तीन साल की जेल या जुर्माने या जेल के साथ जुर्माने का प्रावधान है।

एक अधिकारी ने बताया कि इन दोनों कानूनों के तहत चिह्नित किए गए सरकारी कर्मचारी जनगणना और एनपीआर के लिए आंकड़े जुटाने के निर्धारित दायित्व का निर्वहन करने को बाध्य हैं।

नानक के अपमान पर आक्रोश

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

दिल्ली, जम्मू में पाक के खिलाफ प्रदर्शन

पाकिस्तान की घटना को लेकर भारत के सिख समुदाय में गहरा आक्रोश देखा जा रहा है। सिखों ने ननकाना हमले के विरोध में शनिवार दोपहर दिल्ली और जम्मू में प्रदर्शन किए। दिल्ली में इस हमले के विरोध में सिख समुदाय के लोक शनिवार दोपहर पोस्टर–बैनर के साथ सड़क पर उतरे। दिल्ली में पाकिस्तान उच्चायोग के सामने प्रदर्शन कर रहे सिख समुदाय के लोगों का प्रतिनिधित्व कर रहे अकाली दल नेता मनजिंदर सिंह सिरसा ने बताया कि सिख प्रदर्शनकारी मैमरैंडम लेकर हाई कमीशन को देने जा रहे हैं।

नई दिल्ली। पाकिस्तान में गुरु नानक जन्मस्थली ननकाना साहिब गुरुद्वारे पर हुए हमले के बाद भारत में इसके खिलाफ हर ओर आक्रोश है। बीजेपी, कांग्रेस, अकाली दल ने शनिवार को दिल्ली में पाकिस्तानी उच्चायोग के सामने प्रदर्शन किया तो देश के अलग–अलग हिस्सों में सिख समुदाय के लोगों सड़कों पर उतरकर गुस्सा जाहिर किया। इस बीच सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमिटी ने 4 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल को पाकिस्तान भेजने का फैसला किया है। ननकाना साहिब गुरुद्वारे पर शुक्रवार को भीड़ ने हमला किया था, जिसके बाद सिख श्रद्धालु गुरुद्वारे के अंदर फंस गए। सोशल मीडिया पर प्रसारित विडियो में दिख रही भीड़ ने अल्पसंख्यक समुदाय के खिलाफ सांप्रदायिक और घृणित नारे लगाए और धर्मस्थल पर पथराव किया।

एनपीआर, सीएए और एनसीआर एक ही सिक्के के 2 पहलू

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। पूर्व गृह मंत्री पी चिदंबरम ने केंद्र सरकार को घेरते हुए कहा कि एनआरसी, सीएए और एनपीआर एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। उन्होंने कहा कि असम में एनआरसी के कारण 19 लाख से अधिक लोगों की नागरिकता चली गई और सरकार को अभी भी लगता है कि कोई दिक्कत नहीं है। कांग्रेस सरकार मे एनपीआर लाया गया था, लेकिन वह जनगणना के लिए था, लेकिन मौजदा सरकार इस मुद्दे पर आगे बढ़ती जा रही है।